राजस्थान विश्वविद्यालय के द्वारा वैक्सीनेशन के विभिन्न पहलुओं को लेकर भारत बायोटेक के वरिष्ठ विशेषज्ञ के साथ वेबीनार का आयोजन

राजस्थान विश्वविद्यालय के **RUSA 2.0 समर्थित एंटरप्रेन्योरशिप एंड कैरियर हब** के द्वारा कोविड-19 के संक्रमण से बचाव को लेकर चलाए जा रहे वैक्सीनेशन के विभिन्न पहलुओं पर एक वेबीनार का आयोजन किया गया।

वेबीनार की शुरुआत माननीय कुलपति, प्रो. राजीव जैन के उद्घाटन भाषण से हुई जहां उन्होंने महामारी के दौरान सार्वजनिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्टार्ट-अप, उद्यमियों, इनोवेटर्स को बढ़ावा देने के लिए मेक इन इंडिया अभियान के बारे में भी चर्चा की, जो भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदल सकता है।

इवेंट में आगे प्रोफेसर एस.एल. शर्मा, नोडल अधिकारी, RUSA 2.0 ने, भागीदारो को एंटरप्रेन्योरशिप एंड कैरियर हब से परिचित कराते हुए कहा कि किस प्रकार COVID-19 के कठिन समय में नवाचारों और रचनात्मकता में इनोवेटर्स की भूमिका हो सकती है।

डॉ विदया पाटनी, समन्वयक, एंटरप्रेन्योरशिप एंड कैरियर हब ने अतिथि, **डॉ कपिल माथुर, असिस्टेंट मैनेजर (डेवलपमेंट एंड क्वालिटी कंट्रोल) भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड** का स्वागत किया।

डॉ माथुर ने COVID-19 वायरस का संक्षिप्त परिचय, इसके संक्रमण की प्रक्रिया के साथ अपने लेक्चर की शुरुआत की, जिसके बाद उन्होंने वैक्सीन अनुसंधान और डिजाइनिंग के विभिन्न तरीकों को साझा किया। उन्होंने टीके की मुख्य विशेषताएं बताते हुए टीके एवं टीकाकरण का महत्व भी बताया।

डॉ कपिल माथुर ने वेबीनार से जुड़े हुए विश्वविद्यालय शिक्षकों वह अन्य प्रतिभागियों को वैक्सीनेशन, विशेष रुप से भारत बायोटेक द्वारा निर्मित स्वदेशी कोविवैक्सीन से जुड़ी जिज्ञासाओं वह भ्रांतियों की विस्तृत रूप से जानकारी दी।

वैक्सीन को लेकर फैल रही भ्रांति के संबंध में डॉ माथुर ने स्पष्ट किया की वैक्सीन डोज लगने के बाद कुछ व्यक्तिओ में हलके लक्षण आ सकते है जैसे सिरदर्द, बुखार, घबराहट आदि, इससे उनको घबराने की जरुरत नहीं है ये हमारे प्रतिरक्षा तंत्र के सक्रिय होने का संकेत है। कोई साइड इफेक्ट लगातार बने रहते है तो उसे चिकित्सकों की राय ले लेनी चाहिए।

डॉ कपिल माथुर ने वैक्सीन के निर्माण की प्रक्रिया एवं वैक्सीन के प्रकार के बारे मे जानकारी देते हुए कहा कि कोरोना वायरस काफी तेजी से म्युटेंट कर रहा है जिसके कारण यह वायरस आज भारत एवं विश्व के लिए एक बड़ी चुनौती है, इस कारण यह कहना अभी जल्दी होगा की वैक्सीन के दोनों डोज लगाने के साल भर बाद भी दोबारा वैक्सीन लगाए जाने की आवश्यकता होगी या नहीं।

इस वेबीनार मे उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कोवैक्सीन की प्रथम डोज लगाने के बाद कॉविशील्ड या अन्य दूसरी कोई वैक्सीन का डोज नहीं लगाना चाहिए।

उन्होंने गर्भवती महिलाओं और बच्चों को वैक्सीन लगाए जाने के संबंध में यह कहा कि इस बारे में अभी अध्ययन प्रगति पर है व इसके निष्कर्षों के आधार पर ही शीघ्र ही कोई सकारात्मक निर्णय हो सकता है।

वैक्सीन से जुड़े महत्व को विस्तार से बताते हुए डॉ माथुर ने कहा कि ऐसे व्यक्ति जिनको वैक्सीन लग चूका है उनको बीमारी की गंभीरता होने का खतरा बहुत कम होता है इसलिए एक स्वस्थ व्यक्ति को भी वैक्सीन लगाने से पीछे नहीं रहना चाहि।

डॉ कपिल माथुर ने प्रतिभागी द्वारा पूछे गए एक प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि भारत बायोटेक द्वारा भविष्य में वैक्सीन के उत्पादन को बढ़ाया जाएगा।

साथ ही साथ कोरोना प्रोटोकॉल से जुड़े विभिन्न माध्यम जैसे मास्क लगाना, सैनिटाइजेशन व एक निर्धारित दूरी पर विशेष जोर देते हुए डॉ माथुर ने कहां की प्रारंभिक लक्षणों के साथ ही उस पर गंभीरता से आवश्यक चिकित्सा उपायों को अपनाना आवश्यक है।

वेबीनार के प्रश्न-उत्तर सत्र के समन्वयक, डॉ. जे. एम. एस. मूर्ति, मैनेजर ECH ने प्रतिभागियों के कई सवालों को डॉ. माथुर से पूछे जिसमे डॉ. माथुर ने टीकाकरण, खुराक की मात्रा और टीकाकरण की समय अवधि और इसके दुष्प्रभावों के बारे में प्रतिभागियों के कई सवालों का जवाब दिया।

ECH टीम के सदस्यों ने सामूहिक रूप से छात्रों, शिक्षकों और स्टार्टअप्स के बीच बातचीत को सुगम बनाया।

एंटरप्रेन्योरशिप एंड कैरियर हब द्वारा आयोजित इस वेबीनार की अध्यक्षता राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजीव जैन ने की। वर्तमान मे डॉ विदया पाटनी एंटरप्रेन्योरशिप एंड कैरियर हब की समन्वयक है, वेबीनार के अंत मे डॉ भव्य सोनी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रतिभागी के रूप में विश्वविद्यालय एवं सबंधित महाविधालयो के शिक्षक एवं छात्र एवं छात्राओं व समाज से जुड़े अन्य वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साह से इसमें भाग लिया वह अपनी जिज्ञासाओं का निराकरण विशेषज्ञों के माध्यम से प्राप्त किया। कोरोना संक्रमण को लेकर आम जन जागृति के उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा एक वेबीनार सीरीज आयोजित करने का निर्णय लिया गया है और इसी निर्णय के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा इस दूसरी वेबीनार का आज आयोजन किया गया है।

P.R.O, University of Rajasthan.